इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सत्यव्रत मोहन देव) : (क) और (ख) : नेशनल मिनरल डेवलपमैन्ट कारपोरेशन लिमिटेड (एन० एम०डी०सी०) द्वारा उत्पादित लौह अयस्क का निर्यात, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड (एम०एम०डी०सी०) के माध्यम से किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए ऐसे निर्यात का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	मात्रा	मूल्य
1990-91	74.01 लाख टन	289.39 करोड़ रुपए
1991-92	78.06 लाख टन	438.65 करोड़ रुपए
1992-93	64.56 लाख टन	404.43 करोड़ रुपए
1993-94 (अनवरी, 94 तक)	55.96 लाख टन	343.18 करोड़ रुपए

एक विशेष मामले के रूप में फरवरी, 1990 में एन०एम०डी०सी० को परीक्षण के तौर पर 2.5 लाख टन केलिब्रेटिड लम्प अयस्क का सीधे निर्यात करने की अनुमति दी गई थी। इसकी तुलना में कम्पनी द्वारा वर्ष-वार किया गया वास्तविक निर्यात और अर्जित मूल्य नीचे दिया गया है :—

वर्ष	मात्रा	मूल्य
1899-90	56228 टन	2.49 करोड़ रुपए
1990-91	39290 टन	1.70 करोड़ रुपए
1991-92	65791 टन	5.46 करोड़ रुपए

एन०एम०डी०सी० ने नीली थूलि से फेरिक आक्साइड का उत्पादन करने के लिए एक प्रदर्शन संयंत्र स्थापित किया है। इस प्रदर्शन संयंत्र से फेरिक आक्साइड के परीक्षण उत्पादन के निर्यात का ब्यौरा निचे दिया गया है —

वर्ष	मात्रा	मूल्य
1990-91	120 टन	2.75 लाख रुपए
1991-92	221 टन	8.12 लाख रुपए
1992-93	180 टन	6.67 लाख रुपए
1993-94 (फरवरी 1994 तक)	38 टन	1.94 लाख रुपए

(ग) लौह-अयस्क के निर्यातकों को आयकर अधिनियम की धारा 80 एच०एच०सी० के तहत निर्यातकों को मिलने वाले लाभ तथा समान विनिमय दर का लाभ भी मिलता है। लौह अयस्क के निर्यात पर पहले से लगाया निर्यात शुल्क 1-4-1993 से समाप्त कर दिया गया था।

Area under Cashew Cultivation

1533. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) What is the total area under cashew cultivation in different States at present ;

(b) whether it is a fact that cashew cultivation is in the hands of marginal farmers ;

(c) whether the production of cashew is adequate to meet its internal and exports requirement and if so, the details thereof ;

(d) whether it is also a fact that Government have prepared a package for improving the production of cashew as well as to raise the lot of its cultivators ; and

(e) if so, the details thereof and by when it is likely to be implemented ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) The total area under cashew cultivation in different States during 1992-93 is given below :—

State	Area in ha.
Kerala	1,55,640
Karnataka	74,590
Goa	45,630
Maharashtra	27,350
Tamil Nadu	96,270
Andhra Pradesh	71,720
Orissa	60,140
Others ..... Total :.	8,390
	5,39,730

(b) Majority of the area under cashew is under the control of small and marginal farmers.

(c) No, Sir.

(d) and (e) Government of India is implementing a Centrally Sponsored Integrated Development Programmes of Cashew during 8th Plan with an outlay of Rs. 48 crores for increasing production of cashewnuts in the country. The measures undertaken under the scheme include providing assistance for adoption of comprehensive production technology in 25,000 ha., massive plant protection programme in 1,45,800 ha., re-planting and rejuvenation of old and un-economic plantations in an area of 10,000 ha., to increase productivity of existing cashew plantations. In addition, new plantings with high yielding hybrids is also envisaged in an area of 42,700 ha.

देश में गेहूं की आवश्यकता

1534. **श्री विलोप सिंह जूदेव** : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्ष 1994 के लिए देश में गेहूं की राज्य-वार आवश्यकता का आकलन किया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसका राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है ;

(घ) क्या उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत की राज्य सरकारों ने अतिरिक्त गेहूं के आवंटन हेतु मांग की है;

(ङ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(च) लक्ष्य-प्राप्ति हेतु किए जाने वाले प्रस्तावित प्रयासों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) तथा (ख) किसी वर्ष में गेहूं समेत किसी भी जिन्सों की आवश्यकता कई परिवर्तनशील कारणों जैसे उत्पादन/उपलब्धता निवल आयात, उपभोक्ताओं की पसन्द, जनसंख्या, प्रतिव्यक्ति आय, गेहूं का मूल्य स्तर, और इसका विकल्प तथा साथ ही साथ इसके अन्य विकल्पों की उपलब्धता पर निर्भर करती है। इस प्रकार विभिन्न राज्यों के लिए गेहूं की सही जरूरतों का मूल्यांकन करना कठिन है।

(ग) कुल खाद्यान्नों की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से 1993-94 में गेहूं का उत्पादन लक्ष्य 58.50 मिलियन टन निर्धारित किया गया है।